CIRCULAR

PFRDA/2023/03/Fintech/01 **Jan 12, 2023**

To
All stakeholders under NPS

Subject: Independent Bank Account Verification & Name/PAN Matching for enhanced due diligence using PRAN-PAN- VPA(UPI) using NPCI Framework

PFRDA has enabled robust technological interventions & continuous System level enhancements for discerning outcome through its Central Record Keeping Agencies (CRA) to provide a safe, secure and seamless processing of various Subscribers' service requests.

2. Instant Bank Acct Verification through Penny Drop enabled Vide Circular No. PFRDA/2021/21/SUP-NPST/2 Dt July 20, 2021 for the benefit of Subscribers and Stakeholders. The process had *significantly reduced the returns of funds* due to incorrect Bank Acct details, *improved the turnaround time* of processing and served as an *additional due diligence* mechanism to verify credentials of beneficiaries whileprocessing their withdrawal claims.

3. As part of Azadi Ka Amrit Mahotsav (AKAM) and to commemorate 75 years of India's Independence, PFRDA is pleased to introduce an advanced mode of Bank Acct Verification of the Subscribers (PAN-PRAN- VPA(UPI)) with elegant features where the *joint holder details, PAN and UPI Ids* are verified through NPCI and matched with Permanent Retirement Acct Number (PRAN).

4. The feature is currently offered by CAMS CRA for its associated Subscribers. PFRDA encourages all CRAs and other intermediaries to integrate the Digital Journey of Subscriber with emerging technology like PAN-PRAN- VPA(UPI) verification thus provided by NPCI.

5. The indicative benefits of PAN-PRAN- VPA(UPI) are as follows:

- Error elimination in Pay out process
- Binary & Simplified NPCI's response viz Active/Inactive simplifies the due diligence process vis a vis the earlier penny-drop framework which is dependent on fuzzy logic of name matching.
- Matching of PAN seeded in PRAN and Bank Acct
- Successful & timely Processing of withdrawal request of Subscriber who is the joint holder in Bank Acct.

6. The work flow for PAN-PRAN- VPA (UPI) provided at ***Annexure*** for readyreference.

This circular is available at PFRDA's website (www.pfrda.org.in) under the Regulatory framework in "Circular" section.

Yours sincerely,

Digitally signed by K MOHAN GANDHI

Chief General Manager

Annexure

Bank Account Verification & Name/PAN Matching using PAN-PRAN-VPA (UPI) using NPCI Framework

1. PAN and VPA (UPI) rides on the NPCI network and PAN linkage with Bank accounts.
2. User PAN + Account number + IFSC (Bank code of the Bank mentioned by the Subscriber) are sent as request to NPCI to check if the Account numberis linked with PAN in the Bank.
3. If account number & PAN is linked in the bank, NPCI provides the return response as Y along with account holder name in bank. It also returns theUPI ID (if present), account type, status of bank account (whether Active/Inactive).
4. If account number & PAN is not linked in the bank, then NPCI provides the return response as N with no details of the subscriber
5. As this process returns value in binary (active/inactive), it is powerful than the penny-drop process which is dependent on fuzzy logic of name matching.
6. MFs, Insurance Industry and NBFCs extensively uses the facility for on-boarding and change of Bank mandates. This facility is used by MFs for to verify third party investment.
7. Advantages of using the Bank Account authentication using PAN and VPA(UPI) are as follows:
   a. Fast and prompt response.
   b. Works even when the Subscriber is the second or third holder of the account (penny drop mechanism returns only the first holder name).
   c. Eliminating of issues arising out of longer names as penny-drop process sometimes returns incomplete / curtailed names.
   d. Easier and more logical approach than penny-drop which uses fuzzylogic of name matching.
8. *Challenge*: Reason of PRAN – PAN - UPI rejection is on account of customerPAN not updated in the bank’s records/ invalid PAN in Bank record.

परिपत्र

परिपत्र संख्या: पीएफआरडीए/2023/03/फ़िनटेक/01 दिनांक : 12/01/2023

प्रति,
एनपीएस के तहत सभी हितधारक

विषय : स्वतंत्र बैंक खाता सत्यापन और नाम/PAN मिलान में समुचित सावधानी हेतु NPCI अवसंरचना का प्रयोग करते हुए PRAN-PAN-VPA(UPI) का उपयोग

पीएफआरडीए ने विभिन्न अभिदाताओं के सेवा सम्बन्धी अनुरोधों को सुरक्षित, सुनिश्चित और निर्बाध रूप से प्रदान करने के लिए केंद्रीय अभिलेखपाल अभिकरणों (सीआरए) के माध्यम से सही नतीजे प्राप्त करने हेतु प्रबल तकनीकी हस्तक्षेपों और प्रणालीगत वृद्धियों को निरंतर सक्षम बनाया है ।

2. परिपत्र सं. PFRDA/2021/21/SUP-NPST/2 दिनांक जुलाई 20, 2021 द्वारा अभिदाताओं और हितधारकों के लाभ के लिए पेनी ड्राप के माध्यम से तत्काल बैंक खाता सत्यापन को प्रारंभ किया गया था। इस प्रक्रिया ने गलत बैंक विवरणों के कारण होने वाली धनवापसी को काफी कम कर दिया, साथ ही प्रसंस्करण के नियतकालिक समय में सुधार किया और लाभार्थियों के निकासी दावों को प्रसंस्कृत करते समय उनके क्रेडेंशियल को सत्यापित करने के लिए एक अतिरिक्त समुचित सावधानी प्रणाली के रूप में भी कार्य किया है।

3. आजादी का अमृत महोत्सव (AKAM) के एक भाग के रूप में और भारत की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, पीएफआरडीए ने आकर्षक विशेषताओं के साथ अभिदाताओं के बैंक खाता सत्यापन (PAN-PRAN- VPA (UPI) का एक उन्नत तरीका पेश किया है, जिसमें जॉइंट होल्डर विवरण, पैन और यूपीआई आईडी को एनपीसीआई के माध्यम से सत्यापित किया जाता है और स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या (PRAN) के साथ उनका मिलान किया जाता है।

4. यह सुविधा वर्तमान में सीएएमएस सीआरए द्वारा अपने संबद्ध अभिदाताओं के लिए पेश की जाती है । पीएफआरडीए, NPCI द्वारा प्रदान की गई PAN-PRAN-VPA (UPI) सत्यापन जैसी उभरती हुई तकनीक के साथ अभिदाताओं की डिजिटल यात्रा को एकीकृत करने के लिए सभी सीआरए और अन्य मध्यस्थों को प्रोत्साहित करता है।

5. PAN-PRAN-VPA (UPI) के प्रदर्शित लाभ निम्नानुसार हैं:

- पे आउट प्रक्रिया में त्रुटि उन्मूलन
- अर्थात् नाम मिलान के विचित्र तर्क पर निर्भर पेनी-ड्रॉप संरचना के बदले में NPCI की दोहरी और सरलीकृत प्रतिक्रिया जो जांच प्रक्रिया को निष्क्रिय/सक्रिय रूप से सरल बना देती है |

- प्रान और बैंक खाते से जुड़े पैन का मिलान
- अभिदाता, जो बैंक खाते के जॉइंट होल्डर हैं, उनके निकासी अनुरोध का सफलतापूर्वक और समय से प्रसंस्करण ।

6. तत्काल सन्दर्भ के लिए PAN-PRAN-VPA (UPI) की कार्य प्रणाली **अनुलग्नक-I** में प्रदान की गई है।

यह परिपत्र पीएफआरडीए की वेबसाइट (www.pfrda.org.in) पर विनियामक रूपरेखा के तहत "परिपत्र" खंड में उपलब्ध है।

भवदीय

Digitally signed by K MOHAN GANDHI

मुख्य महाप्रबंधक

अनुलग्नक-I

NPCI अवसंरचना का प्रयोग करते हुए PRAN-PAN-VPA(UPI) के उपयोग द्वारा बैंक खाता सत्यापन और नाम/PAN मिलान

1. PAN और VPA (UPI), NPCI नेटवर्क और बैंक खातों के साथ पैन लिंकेज पर निर्भर करता है।

2. बैंक में खाता पैन के साथ जुड़ा है या नहीं यह जांच करने के लिए उपयोगकर्ता PAN + खाता संख्या + IFSC (अभिदाता द्वारा उल्लिखित बैंक का बैंक कोड) NPCI को भेजे जाते हैं ।

3. यदिबैंक खाता और पैन में जुड़े हुए हों, तो NPCI प्रतिक्रिया 'Y' के रूप में खाता धारक का नाम प्रदान करता है । ।यह, यूपीआई आईडी (यदि मौजूद है), खाते का प्रकार, बैंक खाते की स्थिति (सक्रिय/निष्क्रिय) आदि भी बताता है।

4. यदि खाता संख्या और पैन बैंक में लिंक नहीं है, तो NPCI अभिदाता का कोई विवरण नहीं देते हुए प्रतिक्रिया 'N' के रूप में प्रदान करता है।

5. चूंकि यह प्रक्रिया बाइनरी (सक्रिय / निष्क्रिय) में परिणाम देती है, इसीलिए यह नाम मिलान के विचित्र तर्क पर आधारित पेनी-ड्रॉपकी तुलना में अधिक शक्तिशाली है ।

6. म्युचुअल फंड, बीमा उद्योग और एनबीएफसी बड़े पैमाने पर ऑनबोर्डिंग और बैंक आदेश परिवर्तन के लिए इस सुविधा का उपयोग करते हैं ।

म्युचुअल फंड द्वारा तीसरे पक्ष के निवेश को सत्यापित करने के लिए इस सुविधा का उपयोग किया जाता है।

7. PAN और VPA (UPI) का उपयोग करके बैंक खाता प्रमाणीकरण के लाभ निम्नानुसार हैं :

क. तेज और त्वरित प्रतिक्रिया।

ख. यह तब भी काम करता है जब अभिदाता खाते का दूसरा या तीसरा धारक होता है (पेनी ड्रॉप प्रणाली केवल पहले धारक का नाम प्रदान करती है)।

ग. लंबे नामों से उत्पन्न होने वाले मुद्दों को समाप्त करता है, क्योंकि पेनी ड्राप प्रक्रिया कभी-कभी अधूरे/संक्षिप्त नाम प्रदान कर देती है।

घ. नाम मिलान के विचित्र तर्क का उपयोग करने वाली पेनी-ड्रॉप प्रणाली की तुलना में आसान और अधिक तार्किक दृष्टिकोण ।

8. चुनौती : PRAN-PAN-UPI की अस्वीकृति का कारण है, बैंक रिकॉर्ड में अभिदाता का पैन अपडेट न होना/ बैंक रिकॉर्ड में अवैध PAN दर्ज होना ।